

1937-1938 के संविधान पर प्रकाश डालें।

उत्तर - 1937 ई में बाल्मिकि के (चार) पर देश के
बाद चैम्बरलेन इंग्लैंड का प्रधानमंत्री बनने
चैम्बरलेन का प्रयास एवं सुधार देश ही संसदीय
है। उसने अनेक समाज सुधारक कार्य किये।
एक शिक्षा अधिनियम पारित करके 5
वर्ष के प्रत्येक बच्चों को भी स्कूल भेजने
का प्रयास किया। एक अन्य सुधार के द्वारा
चालीस वर्ष तक की उम्र के नागरिकों को
पेंशन के लिए योग्य करने की सुविधा प्रदान
की गई। अल्प में कुछ होने की संभावना
को ध्यान में रखते हुए योग में भी सुधार
किये तथा शांति में सुख की अभिवृद्धि तथा कानून
और नागरिक संरक्षण में रखते हुए योग में न
सुधार करने के लिए एक कोवरींग संविधान
बोर्ड की स्थापना की गयी जिसका मुख्य उद्देश्य
अंग्रेजों की लापरवाही के अन्य देशों में
स्थापित होने के लिए प्रोत्साहित करना था।

1939 ई में महाभूद्व शुरू होने पर
इंग्लैंड को युद्ध अपने आर्थिक संसाधनों को
मुख्य आवश्यक था। चैम्बरलेन इस कार्य को
समलक्ष्यीकृत कर सका, जब तक 1944 ई में
उसने (चार) पर देश चैम्बरलेन के बाद
चर्चिल ने इंग्लैंड के प्रधानमंत्री के पद पर
आगत। जिस प्रकार युद्ध विरत युद्ध को
संचालित करने के लिए लालटन गार्ज (हार्न)
आगर था उसी प्रकार द्वितीय विश्व युद्ध में
चर्चिल ने देश की बागडोर संचालित
चर्चिल ने गंभीर संकट काल में देश की
रक्षा करने हुए इंग्लैंड को विजयी बनने
का उद्देश्य रखा, जिसमें उसको समलक्ष्य मिली
और इंग्लैंड द्वितीय विश्व युद्ध में भी
विजयी हुआ।

समाप्त